

भाग तीन: खण्ड पांच
वन्य जीव (संरक्षण) नियम 1995

पर्यावरण और वन मंत्रालय अधिसूचना क्र. सा. नि. 348 (अ) दिनांक 7 अप्रैल, 1995 भारत का राजपत्र (असाधारण) भाग 2 खण्ड 3 (i) दिनांक 18-4-95 पृष्ठ 1-2 पर प्रकाशित।

केन्द्रीय सरकार, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 63 की उपधारा (1) के खण्ड (ठ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है; अर्थात्:

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वन्य जीव (संरक्षण), नियम, 1995 है। (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:
 - (क) "अधिनियम" से वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 अभिप्रेत है।
 - (ख) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।
3. धारा 55 के खण्ड (ग) के अधीन सूचना तामील करने की रीति:
 - (1) यथा स्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या किसी प्राधिकृत अधिकारी को सूचना इन नियमों से उपाबद्ध प्रारूप "क" में दी जाएगी।
 - (2) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या प्राधिकृत अधिकारी को सूचना देने वाला व्यक्ति निम्नलिखित सूचना रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजेगा:
 - (क) निदेशक, वन्य जीव परिरक्षण, भारत सरकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली।
 - (ख) (1) सचिव, सम्बद्ध राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र, वन्य जीव भारसाधक/या
 - (2) मुख्य वन्य जीव संरक्षक, सम्बद्ध/संघ राज्य क्षेत्र; या
 - (3) राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र का कोई प्राधिकृत अधिकारी।

प्रारूप "क"

(नियम 3 का उप-निवास (1) देखिए)

(वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 55 के अधीन सूचना)

प्रेषक:

.....

सेवा में,

.....

वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अधीन कोई अपराध किया गया है/किया जा रहा है और अपराध के संक्षिप्त तथ्य संलग्न हैं।

(पूरा नाम और पूरा पता).....

मैं/हम वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा के अतिक्रमण के लिएन्यायालय में शिकायत फाइल करने के अपने आशय की वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 55 के अधीन 60 दिन की सूचना देता हूँ/देते हैं।

मैं/हम उक्त अधिनियम के अतिक्रमण के सबूत के साक्ष्य के रूप में, निम्नलिखित दस्तावेजों को संलग्न कर रहा हूँ/रहे हैं। (दस्तावेजी साक्ष्य अभिकथित अतिक्रमण/अपराध की जांच को समर्थ बनाने के लिए साक्षी के फोटो/रिपोर्ट/कथन सम्मिलित होंगे)।